वार्तालाप नं. 467, कनाडा + न्यूयॉर्क पार्टी, दिनांक –20.12.07
Disc.CD No.467, Canada + New York Party, dated 20.12.07

समय– 00.18–02.55

जिज्ञासुः.........मैं जानना चाहती हूँ कि नई दुनिया के लिए पवित्र संकल्प करने का अर्थ क्या है और यह कार्य कैसे कर सकते हैं?

बाबा– पवित्र संकल्प का मतलब क्या है और पवित्र संकल्प कैसे बनाना है?

अनुवादक: हाँ।

बाबाः पवित्र संकल्प कहते हैं, जिससे किसी को दुःख ना हो। ऐसा संकल्प करना जो किसी को दुःख देनेवाला न हो। वायब्रेशन को पवित्र बनाने के लिए संकल्प भी पवित्र बनाना जरूरी है। वायब्रेशन से सभी प्राणी प्रभावित हो जाते हैं। कोई कम कोई थोड़ा (ज्यादा)। कोई प्राणी कम प्रभावित होते हैं, कोई ज्यादा प्रभावित होते हैं। संकल्प करनेवाला जितना पवित्र वायब्रेशन वाला होगा, अच्छे–2 संकल्प करनेवाला होगा, उतना ज्यादा प्रभावित करेगा। और वायब्रेशन को चेन्ज करने से, वायब्रेशन परिवर्तन होने से, मनुष्य की वृत्ति परिवर्तन होती है। वृत्ति परिवर्तन होने से पांच तत्व भी परिवर्तन होते हैं।

Time: 00.18-02.55
Student:….. I want to know what is the meaning of creating the pure thoughts for new world and how do we do it.
Baba: What is meant by pure thoughts and how should we create pure thoughts?
Translator: Yes.
Baba: Pure thoughts are those which do not cause sorrow to anyone. Create such thoughts which do not cause sorrow to anyone. In order to make the vibrations pure, it is also important to make the thoughts pure. All the living beings are influenced by the vibrations; some to a lesser extent and some to a greater extent. Some beings are influenced to a lesser extent and some to a greater extent. The more the one who creates thoughts has pure vibrations, the more he creates good thoughts, the more he will influence. And through the change of vibrations, through the transformation of vibrations, the attitude (*vritti*) of the human beings change. When the attitude changes, the five elements also change.

समय–03.05–05.25

जिज्ञासुः बाबा कहते हैं कि जिस आत्मा के लिए हम यह समझते हैं कि वह ज्ञान में आ सकती है, उसे हम सर्चलाईट दें। सर्च लाईट कैसे दिया जाता है? इसकी क्या विधि है?

Time: 03.05-05.25
Student: Baba says to give search light to the soul that we think will come in the knowledge. How do we give search light? What is the method?

बाबा– जो सर्चलाईट हम देते हैं वह अपने वायब्रेशन के अनुसार ही सर्चलाईट जाती है। हमारे संकल्पों के शुद्धि के अनुसार ही सर्चलाईट जाती है। हमारी भावना के अनुसार ही सर्चलाईट पहुँचेगी। हमारी जिसके प्रति भावना अच्छी है, वह सर्चलाईट उसको काम करेगी। अच्छी भावना नहीं है तो सर्चलाईट भी काम नहीं करेगी।
अनुवादक – किस तरह से।

बाबा– बाबा की याद में।
अनुवादक – सर्चलाईट कैसे देते है?
बाबाः जैसे हम आत्मा हैं, हमने अपने को आत्मिक स्थिति में टिकाया, बाबा हमारे साथ है, हम बाबा के साथ ही वायब्रेशन फेंक रहे हैं, हमारा भी वायब्रेशन है और बाबा का भी वायब्रेशन है। टॉर्च के मुआफिक।

Baba: The searchlight that we give, that searchlight reaches [the person whom we intend to give searchlight] only in accordance with our vibrations. The searchlight reaches only on the basis of the purity of our thoughts. The searchlight will reach [the intended soul] only in accordance with our feelings. Our searchlight will work for the soul towards whom we have good feelings. If the feeling is not good, the searchlight will not work either.
Translator: How?
Baba: In Baba's remembrance.
Translator: how is searchlight given?
Baba: Just as we are souls, we made ourselves constant in soul conscious stage [thinking:] Baba is with us, we are spreading the vibrations along with Baba himself, our vibrations as well as the vibrations of Baba are there. [It is] like a torch.

समय– 05.45–16.02
जिज्ञासुः मैं २५ वर्ष से अधिक समय से ब्राह्मण रही हूँ। और मैं दृष्टि, ब्रह्मा बाबा के चित्रों और ब्राह्मणों की जीवनशैली जैसी बातों से जुड़ी हुई हूँ। अब, जबकि मैं एक पी.बी.के बन गयी हूँ, मेरे पास जैसे बर्तन, भोग के बर्तन आदि हैं, मेरे पास चित्र हैं। मेरे पास ये सभी चीज़ें हैं। ये चीज़ें मेरी...... वर्षों से । अब मैं जानना चाहती हूँ कि मैं इनका क्या करूं?

Time: 05.45-16.02
Student: I have been a Brahmin for over 25 years. And I am involved in things like *drishti* and pictures of Brahma Baba and the Brahmin's lifestyle. Now that I have come to PBK, I have utensils like, bhog utensils. I have the pictures. I have all these things. They have been my …. for years. I need to know how to dispose off them.

बाबा– बेसिक में आने से पहले जो हिन्दु लोग होते हैं, वो ढ़ेर सारी मूर्तियों की पूजा करते हैं, चित्रों की पूजा करते हैं, मन्दिरो में जाते हैं और वो बेसिक में आने के बाद उन्होंने क्या किया?
अनुवादक – वह तो क्रिश्चियन है ना बाबा!
बाबाः क्रिश्चियन्स क्या करते है? किश्चियन्स भी तो क्राईस्ट की मूर्ति को मानते हैं, क्रॉस को मानते हैं, गिरिजाघर को मानते हैं, उन्होंने क्या किया?..गिरिजाघर की किताबों को मानते हैं। उन्होंने क्या किया?

Baba: Before coming to the basic [knowledge] the Hindus worship a lot of idols; they worship a lot of pictures, they go to the temples, and after entering the path of the basic [knowledge] what did they do [with it]? *After complete coming in the basic knowledge?*
Translator: Baba, she is a Christian, isn't she?
Baba: What do the Christians do? Christians also believe in the idol of Christ, they believe the cross, they believe the Church, what did they do? ...they have faith in the books of the Church. What did they do?

जिज्ञासु: अब इससे एक और प्रश्न पैदा हो रहा है जो मुझे पूछना है।

Student: Well, now that is running into another question that I have to ask.

बाबाः प्रश्न से एक और प्रश्न नहीं। उसके मूल का प्रश्न है।

Baba: It is not a question emerging from another question. It is the core of the question [asked by you].

जिज्ञासु: मैंने इसलिए कहा कि एक और प्रश्न पैदा हो रहा है क्योंकि मैं एक क्रिश्चियन मंत्री हूँ, चाहे पुरोहित कह लो, जो भी आप कहते हो।...... मैं अब भी कार्य कर रही हूँ।

Student: Why I said, I am running into another question because I am a Christian minister or priest, whichever one you call it….. I am still functioning.

बाबाः ठीक है; लेकिन ज्ञान में आने के बाद..... बेसिक में 25 साल से हैं ना! 25 साल से बेसिक में आने के बाद, अब 25 साल के बाद मेच्यौर हुए होंगे ना! मैच्युरिटी होने के बाद अब तक उन्होंने वो जो ग्रंथ पढ़े हैं क्रिश्चियन्स के, और जो आइडल्स (मूर्तियाँ) रखे हैं, क्रॉस रखा है, क्राईस्ट की मूर्ति रखी है उसका क्या किया?

Baba: That is OK. But after entering the path of knowledge…. you are in the basic [knowledge] since 25 years, aren't you? After being in basic for 25 years, you must have now become *mature* after 25 years, mustn't you? After attaining *maturity*, what did you do with the Christian scriptures that you studied so far, the idols that you kept, the cross that you kept, the idol of Christ that you kept?

जिज्ञासुः मैंने कभी 'क्रॉस नहीं रखा। ......बाईबल। ठीक है, मैं उसका उपयोग करती थी पर मैं उसे बाबा से प्राप्त ज्ञान के आलोक में समझने की कोशिश करती हूँ।

Student: I have never carried the cross. …..The Bible, right. I would use that but then I bring the light of understanding that I get from Baba, from that.

बाबा– वह तो अभी मिली। तो बाबा से मिली उसके बाद वह आइडिया हो गया।
अनुवादक– अभी भी कर रहे ना यह काम।
बाबाः बताया ना! बायबल पढ़ते रहे भक्तिमार्ग में। तो भक्तिमार्ग में किस रूप में बायबल पढ़ते थे और अभी किस रूप में बायबल पढ़ते हैं, बी.के. में?

Baba: You got that [knowledge] now. You got the idea after you received it [the knowledge] from Baba.
Translator: She is still doing this work.
Baba: You were told just now, weren't you? You had been reading Bible in the path of *bhakti* (devotion). So, in what context did you use to read Bible in the path of *bhakti* and in what context you read it now, in BK?

जिज्ञासुः ठीक है। मेरा एक सुझाव है, या एक उदाहरण है। बाइबल में ही ये लिखा हुआ है, आप एक ज्योति हैं। ठीक है। चूंकि मुझे बाबा का ज्ञान मिल गया है, अब मैं जान गयी हूँ कि ज्योति क्या है या आत्मा एक ज्योति है। तो जो मैं (ज्ञान) देती हूँ...ठीक है....चूंकि मुझे बाबा से ज्ञान मिला है, मैं उन्हें कहूँगी कि इसका अर्थ यह है कि आप एक ज्योति हैं, आप एक आत्मा हैं ताकि उन्हें इस बात की गहरी समझ हो कि ज्योति (लाईट) का क्या अर्थ है। लाइट का अर्थ है आत्मा। उसमें बुद्धि होती है....और फिर मैं उस बात को आगे बढ़ाऊंगी।...

Student: Alright, let me make a suggestion; just an example rather. In the very Bible, it says;'' you are a light'' all right; and then, right. Because I have come to Baba's knowledge, right now I know the light. Or the soul is the light. So what I give... right... Because I have the knowledge from Baba, I would say to them, this means that you are a light, you are a soul. So they have a deeper understanding what light means. Light means the soul. It has an intellect... and then I take it from there.

बाबा– आप रोशनी हो, गॉड इज लाईट। अल्सो लाईट। यहाँ भी तो यही बताया जा रहा है, कि आत्मा रोशनी हैं। यहाँ का ज्ञान तो अलग हुआ ही नहीं। जो बायबल का नॉलेज है वो ही यहाँ का नॉलेज हुआ। आत्मा के रूप के बारे में। वो तो अलग नहीं हुआ। हाँ, उसमें कोई डिफरन्स नहीं है।

Baba: You are a light. God is light. [He is] also light. Even here the same thing is being said that a soul is light. The knowledge here is not different at all. Whatever knowledge is contained in the Bible is the knowledge here as far as the form of a soul is concerned. It is not different. Yes, there is no difference in that respect.

जिज्ञासुः तो ऐसी बात है। यदि मैं बाइबल का उपयोग करती हूँ तो मैं ऐसा करती हूँ। मैं उसमें से बाबा का ज्ञान लेने की कोशिश करती हूँ। ठीक है ना? मैं आत्मा, बाप की आत्मा, उन सब तरह की बातें बताने की कोशिश करती हूँ। मेरे कहने का मतलब यही रहेगा अगर ऐसा शब्द आता है। या फिर मैं बाबा के ज्ञान के आधार पर उसे समझाने की कोशिश करती हूँ कि उसका अर्थ क्या है।

Student: So that's the kind of thing. If I use the Bible, that's what I do. I try to bring out, Baba's knowledge. Right? Soul, Father's soul, all those kinds of things I will try to mean them, if that's the word. Or give them the light of understanding of what it means on the basis of Baba's knowledge.

बाबा– लेकिन बायबल में जो बी.के. नॉलेज के मुकाबले विरोधी बातें हैं या बी.के. नॉलेज में बायबल के मुकाबले जो विरोधी बातें हैं, उनको भी तो टैली करना पड़ेगा।

Baba: But you will also have to tally the versions in the Bible which are contradictory to the BK knowledge or you will have to tally the things in BK knowledge that are contradictory to Bible.

जिज्ञासुः मैं ज्यादातर बाबा की बातों के अनुसार समझाती हूँ। ठीक है ना? क्योंकि मैं जानती हूँ कि बाबा के ज्ञान के आधार पर मुझे यह पता है कि बाईबल द्वापरयुग में निकला है। पहले मुझे पता नहीं था। अब मुझे पता है कि यह (ग्रंथ) लिखा गया था । मैं जानती हूँ कि बाईबल कौन लिखता है। मैं उस बात को समझती हूँ। तो मैं यह सुनिश्चित करने की कोशिश करती हूँ कि किसी विषय के संबंध में बाईबल क्या कहता है, उससे बाबा का ज्ञान निकले।
अनुवादक: तो आप (बाइबल के) विरोधी बातें नहीं उठाती?
जिज्ञासु: हाँ, उठाती हूँ। मैंने उन बातो को उठाया, जो बाइबल के विरोधी है लेकिन मैं उन्हें इसलिए बताती हूँ ताकि उन्हें पता चले कि सच्चाई ये है, बाबा का ज्ञान सच्चा है।

Student: I mostly go with what Baba says. Right? Because I know that, I know, because of Baba's knowledge the Bible came in the Copper Age. Before, I didn't know it. Now I know that it was written. I know who writes the Bible. I understand that. So what I try to do is to make sure that Baba's knowledge comes out, regards of what the Bible says.
Translator: So, you are not taking those matters which contradict?
Student: Yes, I do, I did the matters which contradict. But I show to let them know that this is the truth. Baba's knowledge is the truth.

बाबा– तो ऐसे ही यहाँ भी है। जो अपने दिल को सच्चा लगता है उसे स्वीकार करना है। जो अपने दिल को लगता है कि यह सच्चा नहीं है, छोड़ देना है।

Baba: So, it is a similar case here. We should accept whatever appears true to our heart. If something does not appear true to the heart, it should be left.

<u>समय–16.25–24.00</u>

जिज्ञासुः जब मैंने गिरिजाघर में बाबा का ज्ञान देने की शुरूआत की, तो ऐसे कई लोग थे जो मुझसे सहमत नहीं थे। और उन्होंने सोचा कि ये बातें गिरिजाघर के लिए नहीं हैं और उनमें से आधे चले गये, वे वो ज्ञान लेना नहीं चाहते थे। किंतु गिरिजाघर के पांच लोग ब्राह्मण बन गये हैं। आधे चले गये। किंतु जो बचे उनमें से पांच बेसिक ज्ञान में चले गये। तो यह तरीका काम कर रहा है।

<u>Time: 16.25-24.00</u>

Student: Within the church after I started bringing Baba's knowledge in, there were quite a lot of people who disagreed. And they felt, that was not for the church and half of them walked away, they didn't want that knowledge. But five people within the church have become Brahmins. Half walk away. But those that remain, five went over to the Basic knowledge. So it's working.

बाबा– जितने बचे, माना 50 पर्सेंट बचे।
अनुवादक– उनमें से भी जो पांच लोग हैं, वह ब्राह्मण बन गयें।
बाबाः बाबा कहते हैं मुरली में; 100 को आप संदेश देंगे, तो एक ज्ञान में निकलने वाला, चलने वाला निकलेगा।
अनुवादक– वह काम कर रहा है।
बाबाः काम तो कर रहे हैं; लेकिन जब इन्होंने एड़वांस नॉलेज वहाँ ली और यहाँ आने के लिए आतुर हुए, तो जिन 100 में से 5 ने सुना उनको भी उन्होंने सुनाया होगा कुछ।

Baba: Whatever number of people stayed back, i.e. 50 percent stayed back.
Translator: even among them, five became Brahmins.
Baba: Baba says in *Murli*, if you give message to 100 [people], one will emerge who follows the knowledge.
Translator: That method is working.
Baba: It is no doubt working, but when she obtained the advance knowledge there and became eager to come here, so she must have also narrated something to those 5 who emerged from among the 100 [people].

जिज्ञासुः मैं एडवांस ज्ञान में केवल ४ महीने की हूँ।

Student: I am only 4 months old in the advance knowledge.

बाबा– ऐसी कोई बात नहीं। बाबा कहते हैं, 10 दिन का बच्चा बहुत तीखा जा सकता है, दूसरों को सुना सकता है। मुरली में बोला। बिकॉज एड़वांस नॉलेज में वही आते हैं, जो पूर्वजन्म में ब्रह्मा बाबा के साथ माऊंट आबू में या सिंध हैदराबाद में बाबा के साथ पार्ट बजा चुके हैं।

Baba: It does not matter. Baba says - even a 10 days old child can gallop fast; he can narrate knowledge to others. It has been said so in the Murlis because only those who have played a part with Brahma Baba in the past birth in Mt. Abu or with Baba in Sindh, Hyderabad will enter the advance knowledge.

जिज्ञासुः बेसिक ज्ञान में हमें कहा गया था कि ब्रहमा बाबा मनुष्य जाति का पिता हैं। ऐसा मुझे सिखाया गया था और वही मैंने लोगों को बताया। अब मैं एडवांस ज्ञान में आ गई हूँ। यही एक बात उन बातों में से , (जो कि बेसिक में बतायी गयी) कुछ अलग है। इसलिए मैं बाबा से मिलना चाहती थी।

Student: In the basic knowledge we were told that Brahma Baba is the father of humanity. Now that’s what I was taught and that’s what I gave to the people. Now I have come in advance knowledge, that’s only one of the things, it is something different. That’s why I wanted to meet with Baba.

बाबाः नॉट समथिंग डिफरेंट। मोस्टली डिफरेंट।
अनुवादकः कम्प्लीट।
बाबाः कम्प्लीट नहीं, मोस्टली डिफरेंट।

Baba: [It is] not something different. [It is] mostly different.
Translator: Complete?
Baba: Not completely, [it is] mostly different.

जिज्ञासु: तो अभी मैं जिन बातों से जूझ रही हूँ, यह उनमें से एक है। बाबा, मैं उसे बदलना चाहती हूँ । मैं उन सभी शिक्षाओं को बदलना चाहती हूँ। वह (ब्रहमा बाबा) मनुष्य जाति का पिता नहीं हैं। वह माता हैं। हमारा एक पिता है।

Student: So that's one of the things that I am faced with now. I want to change that Baba. I want to change all those teachings. He is not the father of humanity. He is the mother. We have a father.

बाबा– इनको ये बताइये, जैसे क्राईस्ट जिस समय आया, उस समय सतोप्रधान स्टेज में आया और क्राईस्ट से जिन्होंने लिया वह सब सतोप्रधान स्टेज में परमधाम से आने वाली आत्मायें थी। अब वह आत्मायें अनेक जन्म लेते–लेते और गुरूओं के चक्कर में आते–आते, गुरूओं की बातें सुनते–सुनते तामसी बन गयीं। बन गयी ना! ऐसे ही यहाँ बेसिक नॉलेज में जो शुरूआत से निकले हुए, चले हुए हैं। और चलते–चलते चलते–चलते अब तक चले आ रहे हैं, वह तामसी बन गये। धर्मगुरू बनके बैठ गये। बैठ गये, अब उसके बाद जिन्होंने पहले ले लिया और वह शरीर छोड़कर के बीच में लौकिक दुनिया में चले गये, फिर अभी, आ गये, कुछ दिन बेसिक में चले, फिर एड़वांस में आ गये तो उन्होंने तो परिवर्तन कर लिया। परिवर्तन हो जाता है उनका। क्रॉस करते हैं, बीज जल्दी–2 जन्म लेता है, जल्दी–जल्दी बढ़ता है फिर जन्म लेता है। ये बीज रूप आत्माओं की तो बात ही और है।

Baba: Tell her**,** for example, when Christ came, he was in a *satopradhan* stage (consisting mainly in the quality of goodness and purity) and those who obtained [knowledge] from Christ, they all were the souls who came from the Soul World in the *satopradhan* stage. Now those souls, while taking many births, and while being entangled by the *gurus*, while listening to the versions of the *gurus*, became degraded *(tamasi)*. They became [degraded], didn't they? Similarly, here in the basic knowledge, those who have emerged from the beginning, who are following it, and are still following it have become degraded. They became *dharmagurus* (religious *gurus*) and sat. They sat [as religious *gurus*] and after that those who obtained first of all and left their bodies in between [while following the knowledge] and went in the *lokik* world, and then have come again now; they followed the basic knowledge for some days and then entered the [path of] advance knowledge; so they made a transformation. They are transformed. They cross [the stages]; the seed takes birth quickly, it grows quickly, and then it takes birth again. The topic of these seed-form souls is indeed different.

समय–24.05–28.25

जिज्ञासुः मुझे पियु वाणी के संबंध में एक प्रश्न पूछना है। यह शिव द्वारा प्रजापिता के माध्यम से यज्ञ की आदि में दिया गया था।

Time: 24.05-28.25
Student: I have a question about the *piu vani*. It was given by Shiv through Prajapita at the beginning of the *yagya*.

बाबा– पियू वाणी– शिवबाबा की वाणी। फर्स्ट ब्रह्मा।

Baba: *Piu Vani* - Shivbaba's *vani.* First Brahma.

जिज्ञासुः हाँ और उन वाणियों में क्या था? क्योंकि प्रजापिता तो यज्ञ छोड़ देता है क्योंकि पूरा ज्ञान नहीं था। तो उन वाणियों में ऐसा क्या था जो (ज्ञान की) पूर्ति नहीं हो सकी?

Student: Yes and what was in those *vanis*? Because Prajapita leaves the *yagya*, because there was not enough knowledge. So what was in those *vani* that couldn't nourish?

बाबाः ज्ञान की कमी के कारण नहीं छोड़के चला गया। ज्ञान की कमी के कारण नहीं चला गया; चला तो इसलिए गया कि यज्ञ में विरोध हुआ, किस बात पर? इस बात पर की यज्ञ के आदि में भी धोबी घाट चलता था। और उस धोबी घाट में जो धोबी काम करता था उस वॉशर मैन गॉड फादर को उन्होंने पहचाना नहीं। आदि में भी यही झगड़ा था और अभी भी यही झगड़ा है .... बीटवीन बी.केज एण्ड पी.बी.केज।

Baba: He did not leave due to the lack of knowledge. He did not depart because of lack of knowledge; he left because he was opposed in the *yagya*; on which topic? [He was opposed] on the topic of laundry (*dhobhi ghaat*) that was being run in the beginning of the *yagya* as well and they did not recognize the washer man, God the Father who used to work in that laundry. It was the same dispute in the beginning as well as now .....between B.K's and P.B.K's.

जिज्ञासुः तो, क्या ज्ञान की कमी की बात नहीं थी? बिल्कुल नहीं?

Student: So it's not a question of lack of knowledge? Not at all?

बाबा– नॉलेज तो शुरुआत की थी, बेसिक नॉलेज में भी बेसिक नॉलेज थी उस समय। फाउंडेशन था, फुल नॉलेज नहीं थी। फुल नॉलेज मिन्स एड्वांस नॉलेज अब निकल रही है। वहाँ कम्प्लीट नॉलेज होती तो प्रजापिता जाता ही नहीं।
अनुवाद करनेवाला– बाबा, उन्होंने एक और प्रश्न पूछा, पियू की वाणी में ऐसी ज्ञान की बातें क्या थीं?
बाबाः वह संस्कृत की गीता के अर्थ बैठ करके सुनाते थे। आज संस्कृत की गीता के 108 से भी उपर टीकायें निकली हुई हैं, कमेन्टस् निकली हुई हैं। और एक कमेन्टस् दूसरे को काटने वाली हैं। क्या जब 108 कमेन्टस् निकल सकती हैं तो ईश्वरीय नॉलेज, ईश्वरीय एक्जेक्ट नॉलेज के अनुसार कमेन्ट नहीं निकल सकती?

Baba: It was the knowledge of the beginners. It was the basic knowledge even in basic knowledge at that time. It was the foundation; there was no full knowledge. Full knowledge *means* the advance knowledge is emerging now. Had there been complete knowledge then, Prajapita would not have departed at all.

Translator: She asked one more question – what kind of topics of knowledge there were in the versions of *Piu*?
Baba: They used to narrate the meanings of the Sanskrit Gita. Today there are more than 108 commentaries, comments of the Sanskrit Gita. And one comment *cuts* (i.e. contradicts) the other. When 108 comments can emerge, can't the comments based on Godly knowledge, exact Godly knowledge emerge?

<u>समय–28.28–35.25</u>
जिज्ञासुः क्या बाबा बता सकते हैं कि जब महाकाली ब्राह्मण परिवार में सफाई करने आयेगी, तो क्या वह सफाई का काम सिर्फ एडवांस, एडवांस (पार्टी) में करेगी, या पूरे ब्राह्मण परिवार में?

<u>Time: 28.28-35.25</u>
Student: Can Baba tell me when *Mahakali* comes to do the cleaning in the Brahmin family, does she do the cleaning in the advance, just in the advance or in all the Brahmin family?

बाबा– जो कुछ सफाई होती है पहले अंदर से होती है या बाहर से होती है? बाहर की दुनिया वाले दूर हैं, बेसिक दुनिया वाले कोई थोड़ी दूर हैं। और एड़वांस वाले तो अंदर ही हैं। एड़वांस पार्टी के अंदर से क्लिनिंग शुरू होगी। और इसका असर पड़ेगा जाके बेसिक वालों के उपर। और बेसिक नॉलेज वालों का इफेक्ट पड़ेगा दुनिया वालों के उपर।

Baba: Does cleaning take place inside initially or outside? The people of the outside world are far away; the people of the basic world are at a little distance and those in advance are inside only. The cleaning will begin from within the advance party and it will cast an effect on those of the basic [knowledge] and those in the basic knowledge will cast an effect on the people of the world.

जिज्ञासुः बाबा कहते हैं कि जब हम ज्ञान में हैं तो पूरा परिवार ज्ञान में चलेगा।

Student: Baba says that when we are in knowledge all the family will take the knowledge.

बाबा– आयेंगे, जब तक प्रत्यक्षता हो सारी दुनिया में, तो ये बाबा ने एड़वांस वालों को स्पेशल वरदान दिया हुआ है कि तुम्हारा पूरा परिवार ज्ञान में चलेगा.....इन एडवान्स नॉलेज।

Baba: They will come when the revelation takes place in the entire world. So, Baba has given this special blessing to those in the advance party that your entire family will follow the path of knowledge…...the advance knowledge.

जिज्ञासुः वे तब आयेंगे जब बाप की प्रत्यक्षता होगी।

Student: They will come when the revelation of the Father takes place.

बाबा– उस समय पर आ जायेंगे। वह तो प्रजा वर्ग है ना! राजा वर्ग की क्वालिटी की आत्मायें तो हैं नहीं। राजा वर्ग की आत्मायें तो पुरूषार्थ कर रही हैं। जो प्रजा वर्ग की आत्मायें है वह पुरूषार्थ नहीं करेगी प्युरिटी का; लेकिन लास्ट में अभी से ये अपने घर में सुनाते रहते हैं, अपने परिवार वालों को सुनाते जाते हैं। सुन तो रहे हैं। सुन तो रहे हैं? सुन रहे हैं। निकालके फेंक तो नहीं रहे? इसलिए सिर्फ इतना कि ब्रह्माकुमारी तो निकाल के फेंक देती हैं। वो नहीं आयेंगे; लेकिन वह परिवार के जन जो कम–से–कम सुनने की तो सहनशक्ति रखते हैं, हमारी बात सुनते तो हैं, हमको अपने साथ रखते तो हैं! तो सिर्फ उसके कारण वह लास्ट में प्रजा वर्ग में आ जायेंगे। फर्स्ट डायनास्टी की प्रजा में।

Baba: They will come at that time. They belong to the subject category, don't they? They are not the souls with the quality of king's class. The souls belonging to the king's class are making *purusharth* (special effort for the soul). The souls belonging to the subject category will not make *purusharth* for purity, but in the last…, from now itself, she goes on narrating at her home, she goes on narrating to her family members. They are at least listening. Are they at least listening? They are listening; they are not throwing you out of your family. That is why; just for the reason that…. the Brahmakumaris throw you out; they will not come [in advance], but the family members, who at least have the tolerance to listen; those who at least listen to us, at least keep us with them; so just because of that they will come in the subject category in the last. They will come in the subjects of the first dynasty.

जिज्ञासुः तो क्या इसका यह अर्थ है कि वो आत्मायें ८४ जन्म लेती हैं?

Student: So, that means that those souls take 84 births?

बाबा– जो फर्स्ट डायनास्टीज के आत्मायें हैं, वह फर्स्ट इंपरर को मानने वाली हैं, 84 जन्म तो लेंगी। यथा राजा तथा प्रजा। न, सिर्फ लिसन ही नहीं, ये सब विरोधी बातें सुनते हुए भी आपको अपने साथ रख रहे हैं, रखने के लिए तैयार हैं। और बी.केज आपको साथ, अपने साथ रखने के लिए भी तैयार नहीं हैं। आपके साथ खाने के लिए, आपको देखने के लिए तैयार नहीं हैं। आपका सुनने के लिए तैयार नहीं।

Baba: The souls belonging to the first dynasty who believe in the first emperor; they will definitely take 84 births. As the king so shall be the subjects. They will not just listen; despite listening to all these words of opposition, they are keeping you with them, they are ready to keep you [with them]. And BKs are not even ready to keep you with them. They are not ready to eat with you; they are not ready to see you. They are not ready to listen to you.

जिज्ञासुः तो क्या आपका कहना है कि वो मुझे निकाल देनेवाले हैं ? यदि मैं उन्हें बताती हूँ तो क्या वे मुझे निकाल देंगे?

Student: So you are saying that they are going to throw me out? They will throw me out if I tell them?

बाबा– आप वहाँ आश्रम में जाके सेवा करिये सच्चाई की।

Baba: You go there at the *ashram* and do the service of [narrating the] truth.

समय–38.21 - 39.11

जिज्ञासुः मुझे पता नही था की राम की आत्मा है । कोई भी ब्राह्मणों के शास्त्रों मे ये बात नही बताई गई है की वो इतना नजदीकी भागीदार था। जब तक मै पी बी के ज्ञान में नहीं आई थी।

Student: I never knew that the soul of Ram existed. Nowhere in the Brahmin literature, was it ever disclosed that he was such a close partner. [I did not know] until I came into PBK knowledge.

बाबा- क्यों ? मुरली में आया राम फेल हो गया।

Baba: Why? It has come in the murli 'Ram failed'.

समय–40.04-44.20

जिज्ञासु- इस एड़वान्स ज्ञान में बताया जाता हैं कि वो दोंनो भागीदार थे। यह उनके संस्कारों के कारण से था या यह कोई संप्रदाय था संबंधीयों के बीच में..........?

Student: In this advance knowledge it is stated that they were partners. Is it because of their sanskars that they were partners or was it a custom or a system within the relation.

बाबा - दो पार्टनर जो थे ...... वो एक तो आसपस में ब्लड़ रिलेशन में ही थे पहली बात, ज्ञान में आने से पहले और जब ज्ञान में आ गये सन 36 के बाद तो फिर वो ज्ञान के रिलेशन में आ गये। ज्ञान के रिलेशन में आने का मतलब हैं ब्रहमा बाबा, इधर से उनको वैराग आ गया, इस दुनिया से। और शॉप में वो एक दूसरे का पार्टनर थे । दुकानदारी में ब्रहमा बाबा के अनुभव में यह आया कि दुनिया में कोई सच्चा व्यक्ति मिला तो वो हमारा ये पार्टनर है। ब्रहमा बाबा से भी ज्यादा होशियार था। ब्रहमा बाबा को ये दिमाग में बैठा हुआ था ये ज्यादा होशियार है। लेकिन ये बुद्धि में नहीं बैठा ज्ञान का बीजारोपण होने के बाद भी कि ये ही भगवान हैं।

Baba: The two partners who were there... one thing is that they were related by blood even before coming to knowledge. And when they came into the knowledge after 1936, they came into a relationship in knowledge, meaning Brahma Baba developed detachment towards this world. In the shop they were partners. In the shop, while doing business, Brahma Baba experienced 'if there was anyone true that I have found in the world then it is this partner of mine'. He was more intelligent than Brahma Baba as well. It was in the intellect of Brahma Baba that he is more intelligent. But even after the seed of knowledge was sown it did not enter his intellect that this one (partner) is himself God.

<u>बाबा</u> – क्योंकि पार्टनर उनके दुकान में 10 साल पहले से ही नौकर था ,मुख्य नौकर था । इसलिए दिमाग में नहीं आया ....1925 से लेकर 36 तक नौकर थे। इसलिए मुरली में बोला 10 साल से रहने वाला ....

<u>Baba:</u> That was because the partner was a worker in his shop for 10 years before that, he was the main worker [in the shop]. That is the reason it did not enter his intellect.
....since 1925 till 1936. It has been mentioned in the murli 'the one who was there for 10 years...'

<u>बाबा-</u> नया प्वाइन्ट निकला। '10 साल से रहनेवाला, ध्यान में जाती थी, उनमें बाबा प्रवेश करते थे। मम्मा-बाबा को ड़ायरेक्शन देते थे, ड्रिल कराते थे। आज वो ज्ञान में हैं नहीं क्योंकि उस समय पूरा ज्ञान नहीं था।' यह भी मुरली में आया।

<u>Baba:</u> A new point has come out. 'The one (male) who was there for 10 years; the one (female) used to go into trance, Baba used to enter them. They used to give directions to Mamma Baba; they used to make them perform the drill. Today they are not in knowledge because there was no complete knowledge then'. This has been mentioned in the murli.

<u>समय– 55.30–59.50</u>
<u>जिज्ञासु</u>: बाबा, आप कहते हैं कि हमें किसी को न दुःख देना चाहिए न किसी से दुःख लेना चाहिए। मेरी लौकिक माँ भी एक मिनिस्टर (चर्च की पदाधिकारी) हैं। और वो इतना अधिक परेशान और दुःखी हैं कि जब भी मैं ज्ञान देती हूँ, मैं देख सकती हूँ कि मैं उन्हें (दुःख) दे रही हूँ....और मैं ऐसी संतान रही हूँ जो सदैव माँ का कहना मानती है। किंतु अब मैं ऐसा नहीं कर सकती। ठीक है ना? मैं वही कर रही हूँ जो बाबा मुझसे करवाना चाहते हैं। तो यह माँ और बच्चे के बीच में एक संघर्ष की तरह है। और मैं ये हकीकत जानती हूँ कि मैं उन्हें दुःख दे रही हूँ। लेकिन मैं जो कुछ कर रही हूँ उसे रोक नहीं सकती। तो मुझे पता नहीं चल रहा है कि मैं इस स्थिति से कैसे निपटूं?

<u>Time: 55.30-59.50</u>
Student: Baba you say that we mustn't give sorrow to anyone nor take sorrow from anyone. My *lokik* mother too is a minister. And she is so perturbed or upset whenever I give *gyan*. I can see it myself giving her... and I am the child who will always do what mummy wants me to do. But I can't do that now. Right? I am doing what Baba wants me to do. So it's like there's a conflict between mother and child. And I know for the fact that I am giving her pain. But, I can't stop what I am doing. So I don't know how to deal with this.

बाबा– माने, ये बाबा का ज्ञान उनको सुनायें नहीं। जब कोई वाचा से नहीं सुनता है तो.... घृणा करता है, तो नही सुनायें। बल्कि अपनी एक्ट से, अपने व्यवहार से, अपने प्यार से, अपनी दृष्टि के स्नेह से, उनको अपने वायब्रेशन से उनको ज्ञान देने की कोशिश करें; बाबा की याद में रह करके। ना, नॉलेज देने की जरूरत ही नहीं। वाचा से सुनाने की ही जरूरत नहीं। उनको दृष्टि से स्नेह दो, वाचा का प्यार दो, कर्मेन्द्रियों से सेवा करो। अनुवादक– उनकी लौकिक माताजी जो नहीं चाहती है वो....

बाबा– क्या नहीं चाहती?
अनुवादक – मतलब यह सब ज्ञान की बातें।
बाबाः उनको न सुनाओ। उनकी बातें मान लो, यु आर राईट। मुँह से कह देने में क्या है? उनकी बातें कान से सुन लेने में क्या है, एक कान से सुनो दुसरे कान से निकाल दो।

Baba: It means, she should not narrate Baba's knowledge to her [mother]. If someone does not listen through words….if he hates [the knowledge], we should not narrate. Instead, we should try to give them knowledge through our act, through our behavior, through our love, through the love of our vision, through our vibrations while being in Baba's remembrance. No, there is no need to give the knowledge at all. There is no need to narrate the knowledge through words at all. Give them love through your eyes, give them love through words, serve them through your organs of action.
Translator: Whatever her *lokik* mother does not want her to do…..
Baba: What does she not want?
Translator: I mean to say all these topics of knowledge.
Baba: Don't narrate it to her. Accept her words; [tell her], "you are right." What is the harm in just uttering these words through the mouth? What is the harm in listening to her words through the ears; listen through one ear and remove it through the other.

समय–59.55–01.01.37
जिज्ञासुः बाबा आपने कहा था कि विनाश के समय, बीज रूपी आत्माओं में १४ आत्मायें प्रवेश कर सकती हैं। इन आत्माओं को हमारे अंदर से निकालने के लिए हमें क्या करना होगा?

Time: 59.55 – 01.01.37
Student: Baba you said at the time of destruction, 14 souls may enter in the seed souls. What we have to do to make those souls go out of us?

बाबा– कर सकती हैं। ये कोई जरूरी नहीं सब में प्रवेश करेंगी। जो पक्के सूर्यवंशी बीज होंगे, जो पक्के सूर्यवंशी बीज होंगे उनमें दूसरी सोल, दूसरे धर्म की सोल प्रवेश नहीं करेगी सिवाय चंद्रवंशियों के।

Baba: They **may** enter. It is not necessary that they **will** enter in everyone. Other souls, souls of the other religions, except the *Chandravanshis* (souls belonging to the Moon dynasty) will not enter in those who are firm *Suryavanshi* seeds (those belonging to the Sun dynasty).

…………………………………………………………………..……………………
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.